

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

71] ा े दिल्ली, शनिवार, मार्च 4, 1972/फ्रारुगुन 14, 1893 No. 71] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 4, 1972/PHALGUNA 14, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compliation

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th March 1972

G.S.R. 96(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary so to do for controlling the rise in prices and for preventing the hoarding, of edible oils, pulses and salt in the State of Assam.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3A) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby directs that, notwithstanding anything contained in sub-section (3) of the said section 3, the prices at which edible oils, pulses or salt shall be sold in any locality in the State of Assam in compliance with an Order made with reference to clause (f) of sub-section (2) of the said section 3, shall be regulated in accordance with the provisions of the said sub-section (3A), and authorises the Deputy Commissioners (including the Additional Deputy Commissioners and Sub-Divisional Officers within their respective jurisdiction) in the State of Assam to determine the average market rate prevailing in the locality for such foodstuffs under clause (iv) of the said sub-section (3A).

2. This notification shall remain in force for a period of three months.

[No. 203(ASM)(1)/78/72-PY.II.]

A. K. MAJUMDAR, Jt. Secy.

कुन्नि मंत्रालय (क्षाच्य विनाग) प्रविस्चना

नई दिल्ली 4 मार्च, 1972

सावकाविक 96 (क्र) — यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि असम राज्य में खाद्य तेलों, वालों और नमक की कीमतों के चढ़ाव को नियंत्रित करने और उनकी जमाखोरी को नियारित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है।

श्रतः, भव, भावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का: 10) की घारा की उपधारा (3क) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सहकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त धारा 3 की उपधारा (3) में किसी बात के होते हुए भी वे कीमतें जिन पर खाब तेलों, वालों या नमक का विक्रय उक्त धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (च) के प्रति निवेश से किए गए किसी भादेश के अनुपालन में झसम राज्य में किसी परिक्षेत्र में किया जाएगा उक्त उपधारा (3क) के उपबन्धों के अनुसार विनियमित की जाएंगी और वह उपायुक्तों (जिनमें अपर उपायुक्त और उपखण्ड अधिकारी भी सम्मिलत हैं) को असम राज्य में उनकी अपनी अपनी अधिकारिता के भीतर ऐसे खाद्य पदार्थों के लिए परिक्षेत्र में प्रचालित (अभिभावी) औसत बाजार दर उक्त उपधारा (3क) के खण्ड (iv) के अधीन अवधारित करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अभिसूचना तीन मास की भवधि तक प्रवृत्त रहेगी।

[सं॰ 203(ए• एस• एम•)(1)/(78)1/72-पी॰वार्ष॰-II]
ए॰ के॰ नजूमदार, संमुक्त सचिव।